दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 04.03.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 04.03.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. बलवान सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, भटवली महाविद्यालय, भटवली बाजार, उनवल, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि 4 मार्च 1966 में श्रम मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का गठन किया गया तथा 4 मार्च 1972 से प्रत्येक वर्ष आज के ही **दिन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस' के रूप में मनाया** जाता है। जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर जन सूरक्षा, लोगों के स्वास्थय की रक्षा, सड़क दुर्घटना सूरक्षा तथा प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा हेतु जनजागरण के रूप में मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त आतंकवाद एवं उसके विरूद्ध कार्यवाही के सम्बन्ध में डॉ. सिंह ने कहा कि वर्तमान स्त्रातजिक परिदृश्य में आतंकवाद एक प्रमुख सुरक्षा चुनौती के रूप में उभरा है। कई आतंकवादी संगठनों को वित्त पोषण तथा सहायता दूसरे राज्यों द्वारा प्रायोजित की जाती है। जिसके कारण आतंकवाद विरोधी कार्यवाहियों में कठिनाईयां हो रही है। इस्लामिक आतंकवाद आज संपूर्ण विश्व की सबसे बड़ी चुनौती के रूप में उभर कर सामने आया है। 9/11 की घटना ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मुंबई में 26/11 की घटना भी इसी तरह की घटना थी जिसमें आतंकवादियों ने आम जनता को लक्षित किया था। इस्लामिक आतंकवाद वर्तमान समय में यूरोप का अरबीकरण करके उसे यूरेबिया के रूप में विकसित कर रहा है। इस्लामिक कट्टरपंथी शरणार्थी के रूप में तथा घुसपैठ करके यूरोप, अमेरिका तथा भारत जैसे देशों में आए जो विभिन्न प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होकर राष्ट्र की सुरक्षा को चुनौती दे रहे हैं। भारत ने राज्य प्रायोजित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान से सारे संबंध समाप्त कर उसको आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है। इस्लाम में उदारवादी शक्तियों का जब तक उदय नहीं होगा तब तक इस्लामिक कट्टरपंथ एवं आतंकवाद को समाप्त नहीं किया जा सकता है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रारंभ में आतंकवाद के विरुद्ध पूरे विश्व में सबसे मुखर आवाज भारत ने उठाई थी। किन्तु विश्व ने उस पर ध्यान नही दिया, लेकिन जब अमेरिका पर 9/11 की आतंकवादी घटना हुई इसके बाद वैश्विक आतंकवाद पर संपूर्ण विश्व का नजरिया बदला। आज इस्लामिक आतंकवाद ने पूरी दुनिया में अपने पैर फैला दिए हैं। पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में कट्टरपंथी इस्लामिक अलगाववादी शक्तियों को सहायता प्रदान कर वहां पर आतंकवाद को बढावा देकर भारत को लगातार अस्थिर करने की कोशिश करता रहा है। लेकिन भारत भी इस तरह की गतिविधियों के प्रति सचेत और सजग है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकवादी संगठनों और शक्तियों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया तथा स्वागत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर आई.क्यू.ए.सी. के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह, श्री इंद्रेश कुमार पांडे, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, श्री विकास कुमार पाठक एवं विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क